सांता आया, उपहार लाया ।

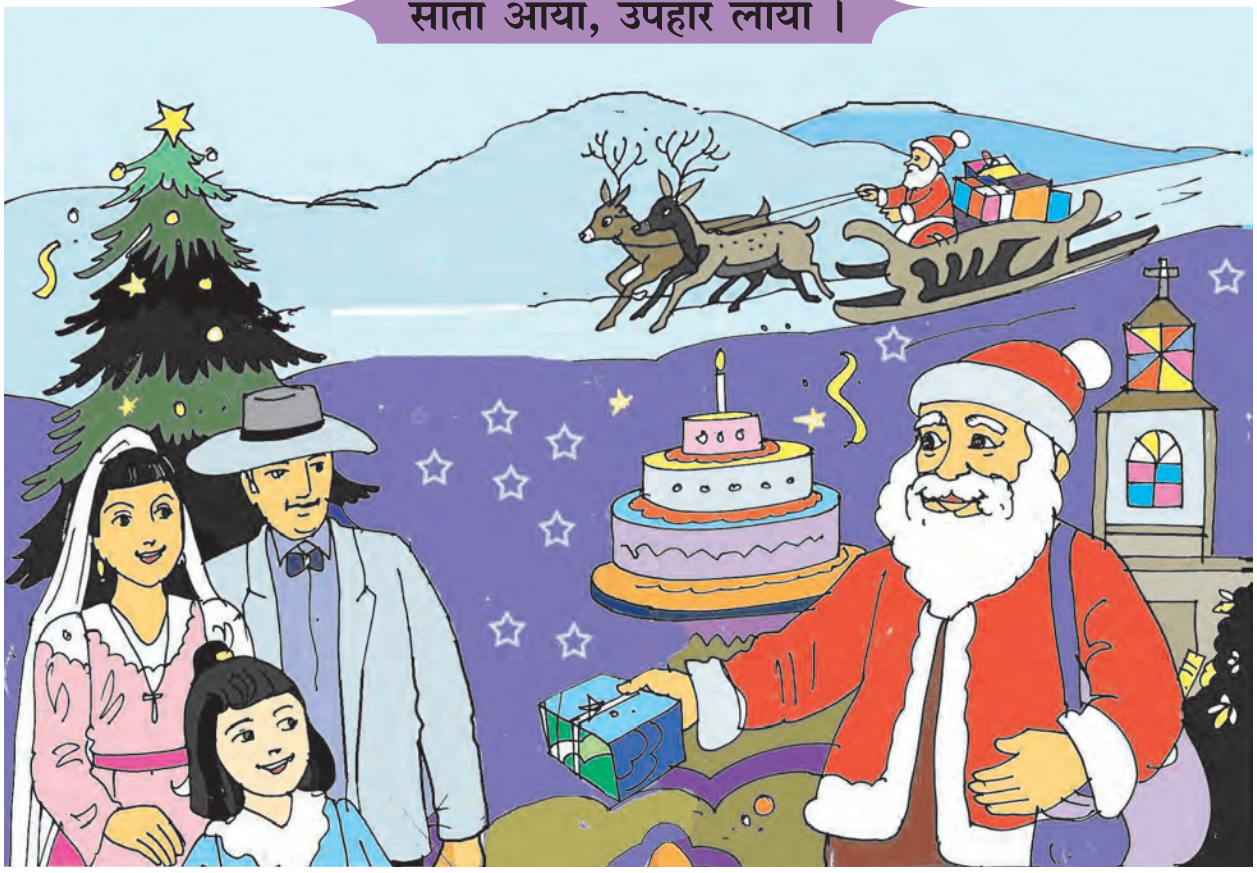

आया बैसाखी का त्योहार, घर–घर भांगड़े की बहार ।

कविता – सुनो, दोहराओ और गाओ :

२. इंद्रधनुष

– *घमंडीलाल अग्रवाल*

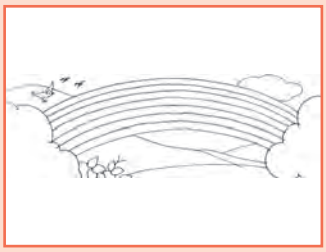

पहला रंग बैंगनी रहता
रंग दूसरा नीला ।
रंग आसमानी के पीछे
हरा और फिर पीला ।।

छठा रंग नारंगी देखो
लाल सातवाँ प्यारा ।
इंद्रधनुष में सात रंग का
दिखता सदा नजारा ।।

जब भी वर्षा थम जाती है
सूरज चमक लुटाता ।
नभ की चादर पर चमकीला
इंद्रधनुष सज जाता ।।

इंद्रधनुष–सा बने राष्ट्र में
वह तो नाम कमाए ।
अपनी अनुपम लीलाओं से
जन–जन को हर्षाए ।।

स्वाध्याय

१. चंद्रबिंदुयुक्त (ँ)शब्दों को सुनो और दोहराओ :

माँ	हाँ	आँचल	दाँत
पहुँच	जाऊँगा	धुआँ	परियाँ

२. उत्तर बताओ :

(१) इंद्रधनुष के कुल रंग – .....

(२) इंद्रधनुष यहाँ दिखाई देता है – .....

(३) इंद्रधनुष का पहला रंग – .....

३. पढ़ो, समझो और नीचे दिए रंगों की एक वस्तु बताओ :

इंद्रधनुष के रंगों का क्रम (बैं नी आ ह पी ना ला)

४. नाम लिखो :

(१) चमक लुटाता है । → _____

(२) सज जाता । → _____

५. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

ठ	ढ	ड़	ढ़	ण	ड	ट
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

W6PIGQ

चित्रकहानी – पढ़ो और लिखो :

३. बातूनी कछुआ

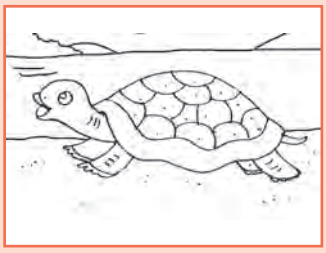

जंगल के बीच एक सुंदर था । वहाँ से दो आते थे । उसी में एक भी रहता था । वह हरदम बक-बक करता था । और में मित्रता थी । ने एक दिन से कहा कि इस का पानी जल्दी ही सूखने वाला है । तुम्हें अपने लिए कुछ सोचना पड़ेगा । अब क्या करना है?

ने कहा, "तुम ही कुछ सहायता करो ।" ने उसे अपने साथ बड़े में चलने का सुझाव दिया । भी उनकी बात मान गया । उन्होंने के सामने एक शर्त रखते हुए कहा कि तुम बहुत बातूनी हो, सफर में बिलकुल नहीं बोलना । ने शर्त मान ली । ने से एक लकड़ी को बीचोंबीच पकड़ने के लिए कहा और वे के दोनों सिरों को अपनी-अपनी से पकड़कर उड़ चले ।

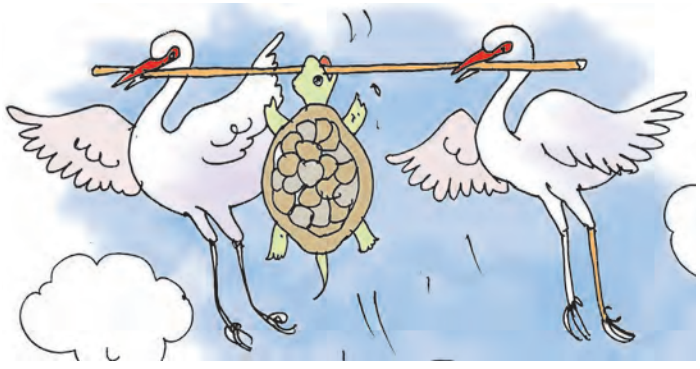

हंसों के साथ में उड़कर खुश हुआ । नीचे धरती के दृश्य देखकर अपने आप को रोक नहीं पाया, अचानक बोल पड़ा । जैसे ही वह बोला, उसके मुँह से छूट गई और तालाब में गिर पड़ा ।

स्वाध्याय

१. सही ✓ या गलत ✗ चिह्न लगाओ :

(१) कछुआ हरदम बक-बक करता था । ☐

(२) हंस तथा कछुए में शत्रुता थी । ☐

(३) जंगल के बीच एक सुंदर तालाब था । ☐

(४) कछुए ने हंसों की शर्त नहीं मानी । ☐

२. पशुओं तथा पक्षियों के अंगों को पहचानकर उनके नाम पढ़ो और जोड़ियाँ मिलाओ :

सींग पैर चोंच कान पंख पूँछ

३. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(१) जंगल के बीच एक ····· तालाब था ।

(२) कछुआ ····· में रहता था ।

(३) कछुए ने कहा, "आप ही कुछ ····· करो ।"

(४) कछुए के मुँह से ····· छूट गई ।

४. कृति पूर्ण करो :

पाठ में आए चित्रों के नाम

☐ ☐ ☐ ☐

५. दूरदर्शन पर देखा हुआ शिक्षाप्रद विज्ञापन सुनाओ ।

तुम्हारी कभी किसी ने सहायता की है ?

तुम अपने मित्र की सहायता कैसे करते हो ?

93BD6L

चित्र निरीक्षण – देखो, समझो और बताओ :

४. किसान एक अन्नदाता

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

कपास	कागज	किरण	कीचड़	कुआँ
कूकना	कृषक	केकड़ा	कैमरा	कोमल
कौस्तुभ	कंकड़	काँच	कॉक	मूषक:

२. पेड़ की आत्मकथा पढ़ो ।

३. दिए गए अधूरे शब्दों में उचित मात्रा चिह्न लगाकर शब्द पुन: लिखो :

(१) क ज : ..... (२) अजीर : .....

(३) मनक्का : ..... (४) ल ग : .....

(५) ज रा : ..... (६) जतून : .....

(७) कसर : ..... (८) मँगफली : .....

(९) अखर ट : ..... (१०) कशमिश : .....

४. किसान से बातचीत करके उसकी दिनचर्या बताओ ।

५. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

थ	ध	न	द	त
.....	.....	.....	.....	.....

XVJ2KD

आत्मकथा – सुनो, समझो और पढ़ो :

५. जोकर

मैं एक जोकर हूँ । **रंग–बिरंगे** कपड़े पहनता हूँ । चेहरे पर सफेद रंग लगाता हूँ और नाक पर **लाल–लाल** गेंद चिपकाता हूँ । मेरे बाल **सफेद–काले** और घुँघराले हैं । मैं सदा **उछलता–कूदता**, **हँसता–हँसाता** हूँ । कभी **भागता–भगाता** हूँ । **चित्र–विचित्र हाव–भाव** कर कभी फिसलता तो कभी गिरता हूँ । मुझे देखकर **बाल–बच्चे हल्ला–गुल्ला** मचाते हैं ।

मैं **छोटे–बड़े गाँव–शहर** में जाता हूँ । मजेदार कलाबाजियाँ दिखाकर **अच्छे–भले** करतब करता हूँ । कभी **उल्टा–पुल्टा** तो कभी **आगे–पीछे** तो कभी **ऊपर–नीचे** छलाँगें लगाता हूँ । सीढ़ियों पर **सरसर–सरसर**, **चढ़ता–उतरता** हूँ । **गोल–गोल** रिंग से **आर–पार** हो जाता हूँ । हँसाना मेरा काम है । जोकर मेरा नाम है ।

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

धीरे–धीरे	सुख–दुख	खेलते–कूदते	ठीक–ठाक
हँसी–खुशी	पढ़ाई–लिखाई	घर–परिवार	आते–जाते

२. 'जोकर' की विशेषताओं पर चर्चा करो ।

३. लिखो :

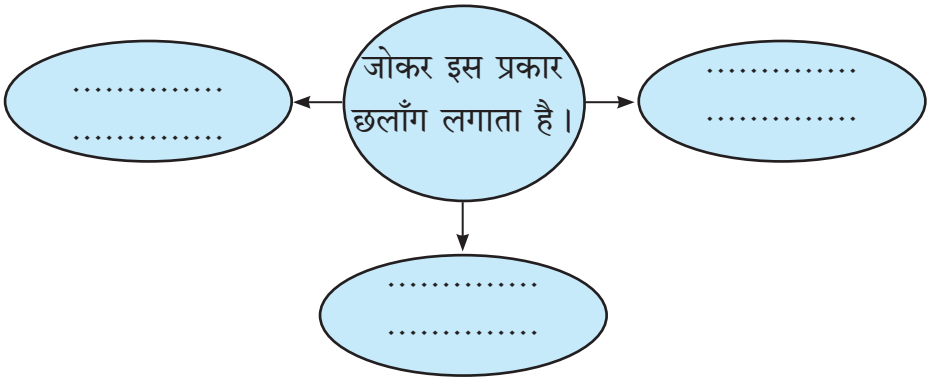

४. पहचानो और चेहरे के भाव बताओ :

५. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

फ	भ	म	ब	प
....	....	....	....	....

AS5WA9

बाल कहानी – सुनो, समझो और पढ़ो :

६. जल्दबाजी

– पूनम श्रीवास्तव

संजना नाम की एक लड़की थी । वह दूसरी कक्षा में पढ़ती थी । बहुत चुलबुली और चंचल स्वभाव की थी । वह बहुत होशियार भी थी । पास-पड़ोस में सभी की मदद करती थी परंतु उसे हर काम जल्दबाजी में करने की आदत थी । इसी गड़बड़ी में उसके सारे काम बिगड़ जाते थे ।

घर में भी हड़बड़ी में उसके हाथों से बर्तन गिरते थे । उसका किसी से टकराना तो आम बात थी । एक दिन जल्दी में वह दादी माँ से टकरा गई । खुद भी गिर गई और पानी का गिलास भी गिर गया । दादी माँ ने उसे समझाया कि हड़बड़ी ना करे ।

एक दिन की बात है, वह पाठशाला के सामने रिक्शे से उतर रही थी । जल्दबाजी में बस्ता रिक्शे में फँसकर फट गया । बस्ते से सारा सामान जमीन पर गिर गया । यह देखकर वह रोने लगी । रिक्शावाले काका ने उसे समझाया, ''बेटी संजना, कोई काम जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए । इससे काम बिगड़ जाता है ।'' रिक्शेवाले ने अपने पास की एक थैली में उसका सारा सामान रखकर दे दिया ।

संजना ने कहा, ''काका जी आप ने सही कहा । आज से मैं निश्चय करती हूँ कि कोई काम जल्दबाजी में नहीं करूँगी ।'' रिक्शावाले काका जी को धन्यवाद देती हुई वह पाठशाला की ओर चल पड़ी ।

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

बस्ता पुस्तक रबड़ पेंसिल खाने का डिब्बा

कॉपी कलम रंग कंपास पानी की बोतल

२. सुनो और बताओ :

एक वचन	बहुवचन	एक वचन	बहुवचन
(१) एक बेटी	अनेक बेटियाँ	(४) एक आम	ढेरों .....
(२) एक पुस्तक	कई	(५) एक कक्षा	कुछ .....
(३) एक तारा	सात	(६) एक चिड़िया	बहुत .....

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

र	व	ल	य	
.....	.....	.....	.....	
ष	ळ	ह	स	श
.....	.....	.....	.....	.....

४. लिखो :

(१) लड़की का नाम : .....

(२) संजना की कक्षा : .....

(३) संजना का स्वभाव : (१) ..... (२) .....

५. कक्षा में 'रिक्शावाले काका' पर चर्चा करो ।

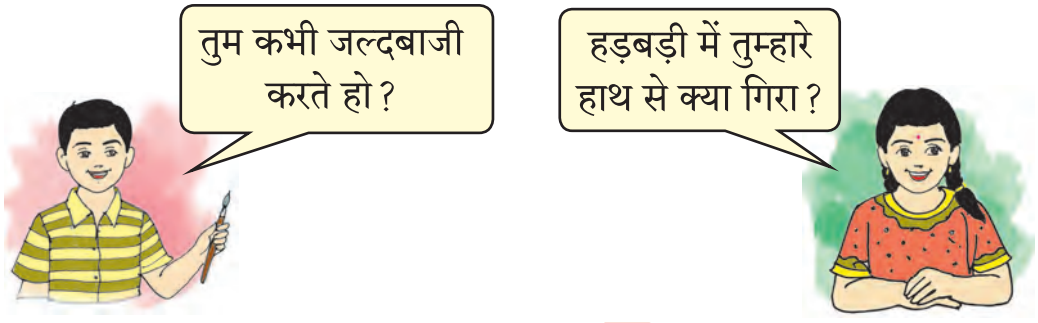

MNRQZ5

हास्य कविता – सुनो, दोहराओ और गाओ :

७. इधर–उधर

– डॉ. रमेश मिलन

इधर–उधर दो भाई पेटू,
पहुँच गए ननिहाल ।
हलुवा, लड्डू, गरम जलेबी,
खूब छके तर माल ।

उछल इधर ने कूद उधर ने,
रबड़ी खूब उड़ाई ।
पानी पूरी गरम समोसे,
लस्सी और नरम मलाई ।

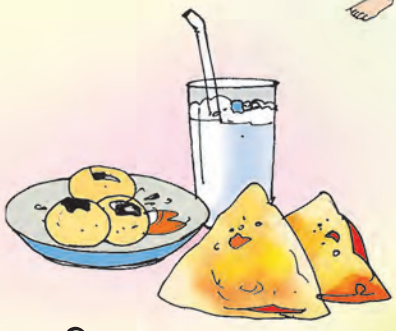

रसगुल्ले, बरफी खा–खाकर
हुए नगाड़े पेट ।
बजे दर्द के ढोल–ढमाके
गए वहीं पर लेट ।

देख डॉक्टर को दोनों में,
मच गई मारामारी ।
इधर को पकड़ा, उधर को जकड़ा,
सुई लगाई भारी ।

कान पकड़कर इधर–उधर अब,
बोले राम दुहाई ।
है जी का जंजाल मिठाई,
समझ हमें अब आई ।

स्वाध्याय

१. शब्दों की अंताक्षरी खेलो :

जैसे : खेत – तारा – रानी – नीला – ..... – ..... – .....

२. लययुक्त शब्दों को सुनो और समझो :

चूड़ियों की	–	खनखनाहट	हवा की	–	सरसराहट
पत्तों की	–	खड़खड़ाहट	बादलों की	–	गड़गड़ाहट
पायल की	–	छम-छम	पानी की	–	कलकल

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

त्र	श्र	ज्ञ	क्ष
.....	.....	.....	.....

४. सोचो और लिखो :

त		ला
बू		
	हा	

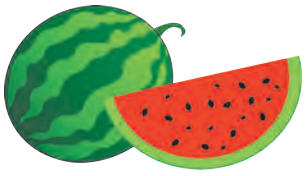

५. माँ से सब्जियाँ खाने का महत्त्व समझो और बताओ ।

2A84SN

वाचन – पढ़ो, समझो और बनाओ :

८. बंदनवार

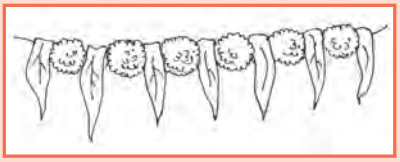

आओ, बड़ों की सहायता से गेंदे के फूलों की बंदनवार बनाओ ।

सामग्री : गेंदे के फूल और मोटा धागा ।

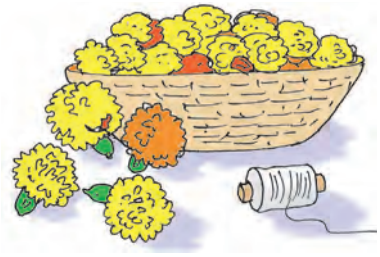

विधि :

(१) कुछ गेंदे के फूल लो ।

(२) मोटा धागा लो ।

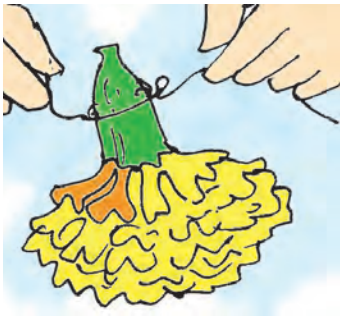

(३) गेंदे के फूल के डंठल को पकड़ो ।

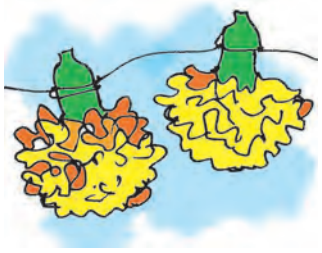

(४) धागे की सहायता से डंठल पर गाँठ बाँधो ।

(५) दूसरा फूल लो, उसके डंठल पर भी गाँठ बाँध लो ।

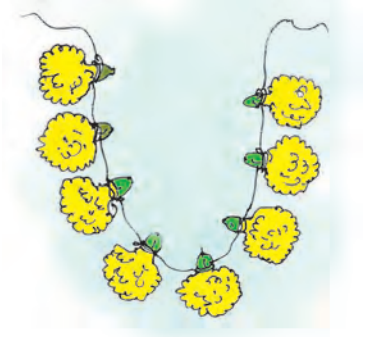

(६) ऐसे ही एक-एक करके फूलों की डंठल पर गाँठ बाँध लो ।

(७) इसी तरह से फूलों की बंदनवार पूरी करो ।

लो, बन गई बंदनवार ।

पुनरावर्तन–२

१. सुनो और बार–बार बोलो :

(१) हमें हर जगह स्वच्छता रखनी चाहिए ।

(२) बड़ों का आदर करना चाहिए ।

(३) पानी बचाना चाहिए ।

(४) समय का सदुपयोग करना चाहिए ।

(५) गरीबों की सहायता करनी चाहिए ।

२. बताओ और लिखो :

(१) परिवार में सदस्यों की संख्या .....

(२) माता जी का नाम .....

(३) पिता जी का नाम .....

(४) तुम्हारी पसंद के खेल ..... , ...

(५) तुम्हारे प्रिय फल ..... , ...

(६) तुम्हारी पसंद के प्राणी ..... , ...

३. चित्रों के आधार पर कहानी सुनाओ :

४. खेल-खेल में शब्द बनाओ :

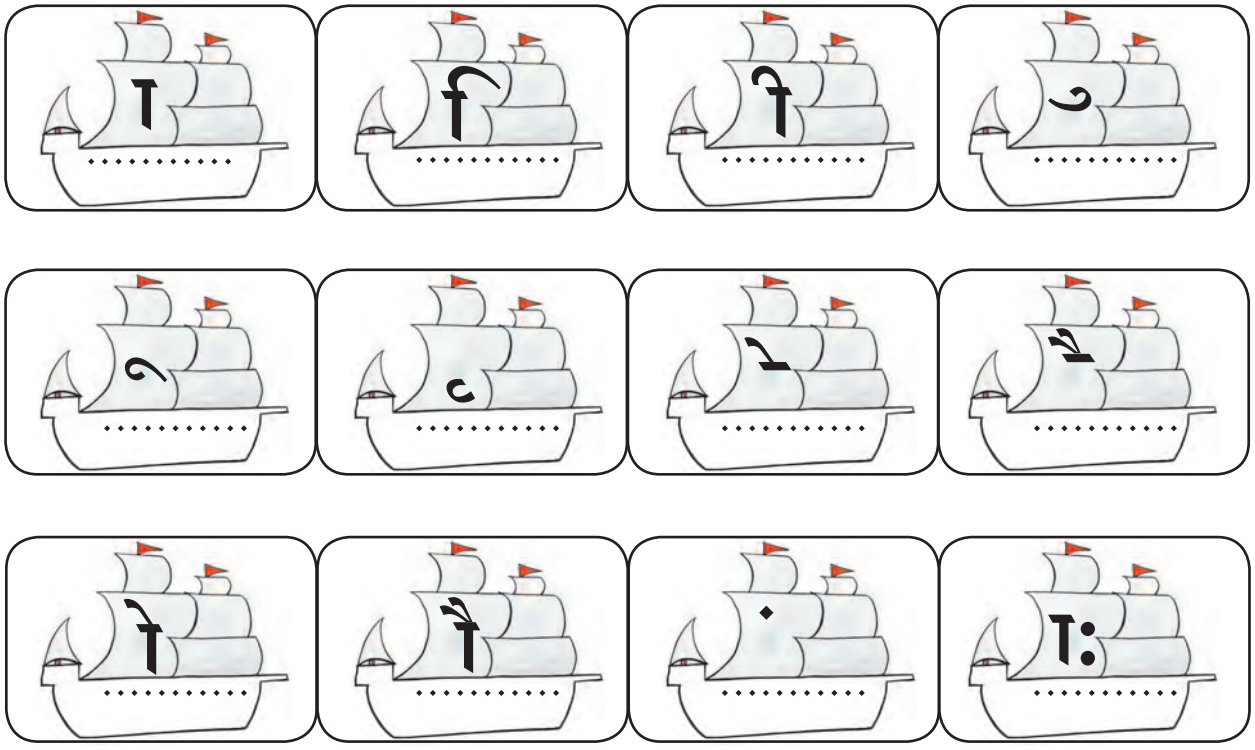

५. पढ़ो और समझो :

गाना	चिड़िया	लीची	कुमार
नूपुर	कृति	पेड़	पैसे
ओजस	नौरोज	अंबर	प्रातः

६. देखें कितना जानते हो ?

(१) सप्ताह में कितने दिन होते हैं?
(२) मुख्य दिशाएँ कितनी होती हैं? } (सात/चार)

(३) जून माह में कितने दिन होते हैं?
(४) जनवरी माह में कितने दिन होते हैं? } (३०/३१)

(५) किस वाहन में अधिक लोग बैठ सकते हैं?
(६) पानी में चलने वाला वाहन कौन-सा है? } (बस/नौका)

पूर्वानुभव – देखो, बताओ और पढ़ो :

* वनभोज

एक साथ
बैठकर खाएँ,
वनभोज का
आनंद उठाएँ ।

एक दो
तीन चार,
स्वच्छता रखें
हर बार ।

वाह ! वाह ! क्या बात है,
वनभोज में सब साथ हैं ।

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. हमें पहचानो